युवाओं के सकारात्मक बदलाव के संकेत-रामनाथन

मूल्यों की शिक्षा के प्रति बढ़ा युवाओं का रूझान

आबू रोड, 2 दिसम्बर, निसं। सिर पर नीली तथा लाल टोपी गले में गोल्डन मेडल तथा गले में लटकती लाल और पीली पटिटकायें पहने सैकड़ों की संख्या में जब युवक और युवतियों ने दीक्षांत समारोह में भाग लिया तो पूरा हॉल एक नयी तस्वीर पेश की। ऐसे अवसर वे सारे तथ्य झूठे साबित हो रहे थे जिसमें युवाओं को मूल्यों के प्रति उदासीनता का खाका खीचा जा रहा है। अवसर था अन्नामलाई विश्वविद्यालय तथा ब्रह्माकुमारीज संस्था के शिक्षा प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में युवाओं की दी जा रही मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता विषय पर स्कालर समारोह का। यह पहला अवसर है जब युवाओं को इतनी बड़ी संख्या में किसी विश्वविद्यालय द्वारा मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्मिकता पर डिग्री दी जा रही है।

इस अवसर पर युवाओं को सम्बोधित करते हुए अन्नामलाई विश्वविद्यालय के उपकुलपति डा. एम रामनाथन ने कहा कि यह अन्नामलाई विश्वविद्यालय द्वारा पहला प्रयास था जब युवाओं को मूल्य आधारित शिक्षा दी जाये। ब्रह्माकुमारीज संस्था का शिक्षा प्रभाग ने जिस तरह से इसे युवाओं में प्रोत्साहित किया गया। मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा था कि युवाओं में ऐसा रूझान आयेगा। परन्तु आज युवाओं में इस तरह का रूझान देखकर यह सच साबित होने लगा है कि अब युवाओं में सकारात्मक बदलाव रूक नहीं सकता। पूरे देश के युवाओं ने खुशी-खुशी इसे अपनाया तथा इसमें अच्छे अंकों से पास किये।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि आज यह महसूस होने लगा है कि अब युवा सकारात्मक बदलाव की ओर उन्मुख होने लगे है। इसी ध्येय को रखकर यह जो पाठयक्रम प्रारम्भ किया गया था वह आज सार्थक होता दिख रहा है। अब जरूरत है कि सरकार को भी शिक्षा में मूल्य आधारित शिक्षा के प्रति युवाओं को आकर्षित करने का प्रयास करना चाहिए। इससे ही समाज में बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय के परीक्षक नियंत्रक डा. आर मीनाक्षी सुन्दरम ने कहा कि अब इस प्रयास को भारत के सभी विश्वविद्यालयों में भी लागू कर देना चाहिए जिससे युवाओं में इसके प्रति रूझान बढ़े और वे श्रेष्ठ संस्कारवान बन सके। संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी ह्दयमोहिनी ने कहा कि यदि हमारे युवा इसके प्रति जागरूक हो जायेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब समाज में बदलाव ना हो सके।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष ब्र. कु. निर्वेर ने कहा कि शिक्षा प्रभाग का यही प्रयास रहा है कि अधिक से अधिक लोग मूल्यप्रद शिक्षा के प्रति स्वयं को जागरूक करें। कार्यक्रम में शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र. कु. मृत्युंजय, दूरस्थ शिक्षा के निदेशक पांडयामणि, सेन्टर फार योग शिक्षा अन्नामलाई विश्वविद्यालय के निदेशक डा. एस विश्वनाथन, संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, ब्रह्माकुमारीज संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र. कु. रमेश, संस्था के सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशक ब्र. कु. करूणा, ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र. कु. मोहिनी, ब्र. कु. मुन्नी समेत कई लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मूल्यशिक्षा तथा आध्यात्मिकता के बढ़ावा के लिए रैली निकाली गयी। केन्द्रिय विद्यालय के छात्रों ने प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित छात्रों को डिग्रीया बांटी गयी।

फोटो, 2एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4, 5 रैली का दृश्य, कार्यक्रम को सम्बोधित करते अतिथि, तथा सभा में उपस्थित छात्र।